लचर व्यवस्था

शहर में आधुनिक परिवहन सुविधा के रूप में प्रस्तावित इलेक्ट्रिक बस सेवा की शुरुआत अब तक नहीं हो पाई

बसों की देरी बन रही समस्या, यात्री परेशान

जबलपुर, नवभारत। करोड़ो रुपए की लागत से बने अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल में इन दिनों समस्याए अनेक है। गुरुवार को नवभारत द्वारा आईएसबीटी बस स्टैंड में की गई जांच पड़ताल में यात्रियों को हो रही परेशानियों की तस्वीरे सामने आई है। यहाँ बसों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें बहुत असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि कई बार बसें बिना सूचना दिए देर से आती हैं, जिससे उनके जरूरी काम प्रभावित होते हैं। खासकर कामकाजी लोगों और बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों को इससे अधिक परेशानी होती है।

नहीं शुरू हुई ई बसें

शहर में आधुनिक परिवहन सुविधा के रूप में प्रस्तावित इलेक्ट्रिक बस सेवा की शुरुआत अब तक नहीं हो पाई है। यात्रियों का कहना है कि यदि इलेक्ट्रिक बसें शुरू हो जाएं तो यातायात व्यवस्था में सुधार हो सकता है और समय की पाबंदी भी सुनिश्चित की जा सकती है। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि बसों के संचालन को समयबद्ध बनाया जाए और बस स्टैंड पर सुविधाओं को बेहतर किया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। हालाकि आईएसबीटी बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए खाने-पीने की कुछ सुविधाएं उपलब्ध हैं, जहां उन्हें चाय, नाश्ता और हल्का भोजन आसानी से मिल जाता है।

इनका कहना है

यहाँ की सभी बसें देर से आती है। जिससे हमे काफ़ी दिक्कतो का सामना करना पढ़ता है।

बालकेश अहिरवार

यहाँ मिलने वाला भोजन इंतजार के समय राहत देता हैं और सफर को थोड़ा सहज बना देता हैं।

बंटी ठाकुर

ईओडब्ल्यू छापा : रिटायर एसडीओ निकला धनकुबेर

ठिकानों पर सर्चिंग, 5 .47 करोड़ की काली कमाई का खुलासा

जबलपुर। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में छिंदवाड़ा में लोक निर्माण विभाग के एक सेवानिवृत्त एसडीओ (सेतु निर्माण विभाग) महेंद्र नागवंशी के ठिकानों पर दबिश दी । टीम जब घर पहुंची, तो अधिकारियों की आंखें फटी रह गईं। अब तक की जांच में आय से अधिक संपत्ति के मामले में 5.47 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, जबलपुर में महेन्द्र नागवंशी पिता महतु नागवंशी सेवानिवृत्त एसडीओ सेतु निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग, आदर्श नगर, परासिया रोड, छिंदवाड़ा के खिलाफ भ्रष्टाचार से करोड़ों रूपये की असमानुपातिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत पहुंची थी। सत्यापन उपरांत शिकायत में आरोप सही पाये जाने पर

ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने गुरुवार सुबह आरोपी महेंद्र नागवंशी के छिंदवाड़ा स्थित आदर्श नगर परासिया रोड आवास पर छापा मारा। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके और विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया। सेवानिवृत्त अधिकारी के खिलाफ लंबे समय से भ्रष्टाचार के जरिए अकूत संपत्ति जमा करने की शिकायतें मिल रही थीं।

बैंक लॉकर, खातों बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज खंगाले

महेंद्र नागवंशी सेतु निर्माण विभाग में पदस्थ रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान पाया गया कि उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान पद का दुरुपयोग करते हुए वास्तविक आय से कई गुना ज्यादा संपत्ति अर्जित की।

तीन टीमों ने आवास आटा मिल में की सर्चिंग

ईओडब्ल्यू, जबलपुर के द्वारा आरोपी के परासिया रोड, छिंदवाडा स्थित आवास एवं आटा मिल में तीन टीमों ने एक साथ सर्चिंग की। शुरुआती जांच में आरोपी के पास से आलीशान मकान, महंगी गाड़ियों और जमीन-जायदाद के कई अहम दस्तावेज मिले हैं। ईओडब्ल्यू के मुताबिक अब तक 5 .47 करोड़ रुपये की संपत्ति का आकलन किया गया है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

संपत्ति का आंकड़ा बढ़ेगा

टीम अभी भी बैंक लॉकर, बैंक खातों और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेजों को खंगाल रही है, जिससे यह आंकड़ा और बढ़ने की पूरी संभावना है। ईओडब्ल्यू जबलपुर के अधिकारियों का कहना है कि सर्च ऑपरेशन अभी पूरा नहीं हुआ है। अचल संपत्ति और सोने-चांदी के जेवरात का सटीक मूल्यांकन विस्तृत जांच के बाद सामने आ पाएगा।

भूतपूर्व नगर अध्यक्ष के आरोप को बताया निराधार

दुष्कर्म पीड़िता पर दबाव बनाने वालों के खिलाफ हो जांच

नवभारत, जबलपुर। भूतपूर्व नगर अध्यक्ष जी.एस. ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों को साईं पिल्ले ने पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है। पत्रकार वार्ता में साईं पिल्ले ने बताया कि 7 मार्च को पीड़िता और उसकी मां उनके पास सहायता के लिए आई थीं, जिसके बाद उन्होंने अधिवक्ताओं के साथ थाना प्रभारी से संपर्क कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई। मामले की जानकारी अन्य महिला संगठनों को भी लगी, जिन्होंने पीड़िता पर दबाव बनाने वालों के खिलाफ एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 मार्च को पीड़िता की सुनवाई

थाने में नहीं हुई, जिसके चलते वह आत्महत्या के इरादे से तिलवारा पुल तक पहुंच गई थी। साथ ही, 21 और 22 मार्च को जी.एस. ठाकुर द्वारा पीड़िता को धमकाने और फोन कॉल करने की बात भी सामने रखी, जिसकी जांच सीसीटीवी और कॉल डिटेल्स से कराने की मांग की गई है। साईं पिल्ले ने कहा कि 28 मार्च को एसपी कार्यालय में आवेदन दिया गया और 7 अप्रैल को थाने में लंबी प्रक्रिया के बाद रात में एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके खिलाफ दर्ज मामले राजनीतिक द्वेष से प्रेरित हैं।

निष्पक्ष जांच हो

जी.एस. ठाकुर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे पीड़िता का साथ देने के बजाय आरोपी पक्ष के समर्थन में खड़े हैं। साथ ही, उन्होंने संपत्ति विवाद, पद के दुरुपयोग और अन्य सामाजिक मामलों को लेकर भी सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। साईं पिल्ले ने कहा कि वे हर हाल में पीड़ित महिलाओं के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने समाज से अपील की कि ऐसे मामलों में अपराधियों का नहीं, बल्कि पीड़ितों का समर्थन किया जाना चाहिए।

चाकूबाजों ने बहाया लहू, चार घायल

जबलपुर। शहर की सड़कों पर चाकूबाजों ने जमकर लहू बहाया । लार्डगंज, भेड़ाघाट, गोहलपुर थाना क्षेत्र में चाकूबाजी में चार लोग घायल हो गए। तीनों ही मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। लार्डगंज पुलिस ने बताया कि गुरूवार को अविनाश अहिरवार 21 वर्ष निवासी रानीताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात लगभग 2-50 बजे दोस्त अंजन सिंह के साथ गुटखा लेकर घर जा रहा था जगदीश अखाड़ा हनुमान मंदिर के पास मंकू, साहिल काला, भाऊ, आदि ठाकुर मिले और एक हजार रूपए मांगने लगे। मना करने पर साहिल ने चाकू से हमला किया जिससे उसे चोट आ गई। अंजन सिंह ने बीच बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट की। इसी प्रकार भेड़ाघाट थाने में संदीप केशरवानी 27 वर्ष निवासी तेवर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि संजू कोल उर्फआया और उससे शराब पीने के लिये तीन हजार रूपये मांगने लगा, मना करने पर चाकू से हमला कर दिया। बीच बचाव में विजय पटैल को चाकू लग गया।

बांदकपुर से घटेरा के बीच तृतीय रेल लाइन का कार्य पूरा

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण रेल खंडों में से एक कटनी-बीना सेक्शन पर तृतीय लाइन परियोजना के अंतर्गत बांदकपुर से घटेरा रेलखंड का कार्य संपन्न होने के साथ ही इस परियोजना का कार्य पूर्ण हो गया है। कुल 259.91 किलोमीटर लंबी यह परियोजना वर्ष 2016-17 में स्वीकृत हुई थी, जिसकी कुल लागत लगभग 4 हजार करोड़ से अधिक रही। इस खंड में 12 महत्वपूर्ण एवं 26 बड़े पुलों सहित 311 छोटे पुलों का निर्माण किया गया तथा कुल 32 रेलवे स्टेशन इस परियोजना से लाभान्वित हुए हैं।

चारों दिशाओं का सेंटर पॉइंट

इस परियोजना के दोनों छोर पर स्थित कटनी और बीना रेलवे

स्टेशन, स्टेशन रेल नेटवर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन हैं। कटनी स्टेशन पाँच प्रमुख रेल मार्गों (कटनी-सिंगरौली, कटनी-बीना, कटनी-मानिकपुर, कटनी-जबलपुर एवं कटनी-बिलासपुर) को जोड़ता है। यह उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम दिशा की ट्रेनों के लिए एक प्रमुख संगम बिंदु है।बीना स्टेशन से चार प्रमुख रेल मार्गों (बीना-झाँसी, बीना-गुना, बीना भोपाल एवं बीना-कटनी) का संचालन होता है, जो इसे उत्तर भारत एवं मध्य भारत को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण जंक्शन बनाता है। ऐसी स्थिति में, इन दोनों महत्वपूर्ण जंक्शनों के बीच तृतीय लाइन का निर्माण इस खंड की महत्ता को और अधिक सुदृढ़ करता है। यह केवल एक अतिरिक्त ट्रैक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की दक्षता को बढ़ाने वाला संरचनात्मक सशक्तीकरण है।

कोयला परिवहन का प्रमुख मार्ग

कटनी-बीना सेक्शन देश के सबसे व्यस्त कोयला परिवहन मार्गों में से एक जहाँ से बड़ी मात्रा में कोयला विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों तक पहुंचाया जाता है। तृतीय लाइन के संचालन से मालगाड़ियों की गति एवं आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वही ट्रैफिक जाम एवं लाइन क्लीयरेंस की समस्या में कमी हुई है। इसके साथ ही कोयले की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे विद्युत उत्पादन निर्बाध रहेगा। संपूर्ण खंड की वहन क्षमता में व्यापक वृद्धि हुई है। इससे सागर, दमोह और कटनी जिला के समग्र विकास को गति मिलेगी। औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन प्राप्त होगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।व्यापार, कृषि एवं खनन क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। क्षेत्रीय संतुलित विकास को मजबूती मिलेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में संबंधित प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों के समन्वित प्रयासों से समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया गया।

एक नजर में

आरपीएफ ने राहगीरो को किया जागरूक

जबलपुर, नवभारत। ट्रेन आने के समय रेल फाटक बंद होने के बाद भी गुलौआ और भिटौनी रेल फाटक पार कर रहे लोगों को आरपीएफ बल द्वारा जागरूक किया गया। बता दे कि बुधवार को रेल फाटक पर अलर्ट का सायरन बज गया फिर भी लोग अपने वाहनों को लेकर निकलने से कतरा नहीं रहे थे। ऐसे लोगों को आरपीएफ द्वारा समझाइश दी जा रही थी। टीम की समझाइश पर कुछ तो मान गए, लेकिन कई ऐसे थे जो अपनी जान की भी परवाह नहीं कर रहे थे। आरपीएफ टीम के पोस्ट प्रभारी राजीव खरब व एसआई विजय बहादुर सिंह ने स्टाफ के साथ जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान गुलौआ फाटक के पास तो फिर भी स्थिति ठीक थी, लेकिन भिटौनी के पास बने रेल फाटक पर तो लोग मान ही नहीं रहे थे। उन्होंने हर आने जाने वाले राहगीरों को बंद फाटक के नीचे से पार न जाने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ट्रैक पर पत्थर न रखें, गाड़ियों में पत्थर न मारने व ट्रैक के आसपास बीड़ी सिगरेट पीकर न फेंकने के लिए भी जागरूक किया। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे कार्य से रेलवे को तो नुकसान होता ही है, हमारे द्वारा रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई भी की जाएगी।

डॉक्टरों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, लाइसेंस निलंबित करने का आदेश निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) के उस आदेश को निरस्त कर दिया जिसके तहत डॉक्टरों का लाइसेंस छह माह के लिए निलंबित कर दिया था। जस्टिस दीपक खोत की एकलपीठ ने कहा कि एमसीआई ने रिकॉर्ड पर रखे गए दस्तावेजों का उचित मूल्यांकन किए बिना विवेकहीन तरीके से आदेश पारित किया। कार्रवाई करते समय एमसीआई ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन नहीं किया, इसलिए उक्त आदेश अवैधानिक है। यह मामला जबलपुर निवासी डॉ. हर्ष सक्सेना, डॉ. आलोक अग्रवाल सहित अन्य की ओर से दायर किया गया था। जिनकी ओर से अधिवक्ता सुमित रघुवंशी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी 2025 को एमसीआई की आचार समिति के निर्देश पर मप्र मेडिकल काउंसिल भोपाल ने कदाचरण के आरोप में याचिकाकर्ता चिकित्सकों का लायसेंस छह माह के लिए निलंबित कर दिया था। दरअसल, मई 2012 में न्यूरोसर्जन डॉक्टर्स की एक टीम पर्यटन के लिए लंदन गई थी। समाजसेवी संस्था स्वास्थ्य अधिकार मंच ने मेडिकल काउंसिल में शिकायत कर आरोप लगाया कि उक्त टीम को एक निजी फार्मा कंपनी ने प्रायोजित किया है। दलील दी गई कि डॉक्टर्स ने स्वयं अपनी जेब से टूर का पूरा खर्चा दिया है। प्रमाण स्वरूप बैंक चेक और अन्य ट्रांजेक्शन भी पेश किए गए, इसके बावजूद उक्त कार्रवाई की गई। सुनवाई के बाद न्यायालय ने कहा कि एमसीआई के आदेश में कई अनियमितताएँ हैं और विधि की दृष्टि से मान्य नहीं है, इसलिए इसे निरस्त किया जाना उचित है।

जनगणना 2027 : स्व-गणना का महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ

नवभारत,जबलपुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में स्थानीय मॉडल स्कूल में जनगणना 2027 के सुचारू संपादन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य आगामी 1 मई से 30 मई 2026 तक संचालित होगा। इसी अनुक्रम में स्व-गणना का महत्वपूर्ण कार्य 16 अप्रैल से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल 2026 की अवधि के लिए नियत किया गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रगणकों को जनगणना संबंधी तकनीकी

बारीकियों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि राष्ट्र के इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्व-गणना पूर्ण कर अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।

कलेक्टर ने की स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत

अभियान के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं संयुक्त कलेक्टर तथा जिला जनगणना अधिकारी ऋषभ जैन द्वारा स्वयं की गणना पूर्ण कर जिले में स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत की गई। जिला प्रशासन द्वारा जिले के न्यायाधीशों, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, समस्त शासकीय सेवकों एवं आम नागरिकों से अपील की गई।

सेंटरिंग बांधते समय हुआ हादसा, छानबीन में जुटी पुलिस

निर्माणाधीन बिल्डिंग की दूसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना अंतर्गत धनवंतरी नगर चौकी स्थित परसवाड़ा कॉलोनी में गुरूवार को सेंटरिंग बांधते समय एक निर्माणाधीन इमारत की दूसरी मंजिल से एक श्रमिक गिर गया। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बाद में घायल को आनन-फानन में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई है।

धनवंतरी नगर चौकी प्रभारी दुर्गेश कुमार मरावी के अनुसार परसवाड़ा कॉलोनी में बिल्डिंग बन रही है जहां

गुरूवार को रोजाना की तरह काम चल रहा था जहां पर शालिगराम काछी पिता हल्ली प्रसाद काछी 60 वर्ष निवासी सूखा पाटन रोड, थाना माढ़ोताल का भी काम कर रहा था। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे वे निर्माणाधीन बिल्डिंग में सेंटरिंग बांधने का काम कर रहा था। दूसरी मंजिल पर काम करते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से वे ऊंचाई से सीधे जमीन पर आ गिर गया। ऊंचाई से गिरने के कारण उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और लोगों ने उन्हें तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुँचाया, जहाँ डॉक्टर ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम जांच में काम के दौरान लापरवाही सामने आ रही है।